

अयौगिक वि. (तत्.) 1. जो यौगिक न हो 2. जो योग से न बना हो 3. जिसकी व्याकरणानुसार व्युत्पत्ति न हो।

अरंग पुं. (तत्.) 1. खुशबू, सुगंध 2. दुर्दशा।

अरंगी वि. (तत्.) रागरहित, रागविहीन।

अरंड पुं. (तत्.) एरंड, अरंडी पादप।

अरंभना स.क्रि. (तद्.) 1. बोलना 2. चिल्लाना 3. प्रारंभ करना, शुरू करना **अ.क्रि.** (तद्.) प्रारंभ होना, शुरू होना।

अर पुं. (तत्.) 1. पहिए की नाभि और नेमि को जोड़नेवाली तिरछी लकड़ी, अरा 2. कोण, कोना **वि.** शीघ्र, त्वरित, जल्दी **स्त्री.** (तद्.) अड़, हठ, जिद।

अरक पुं. (अर.) किसी पदार्थ का आसवन-विधि से निकाला गया रस, आसव, अर्क।

अरकटी पुं. (देश.) नाव की पतवार चलानेवाला, माँझी।

अरकला स्त्री. (तद्.) बंद दरवाजे को खुलने से रोकने के लिए प्रयुक्त रोक, अरगल, अर्गला।

अरकसी स्त्री. (देश.) आलस्य, सुस्ती **वि.** आलसी।

अरकाटी पुं. (देश.) विदेशों में कुली, मजदूर आदि भेजने वाला ठेकेदार।

अरकोल पुं. (देश.) हिमालय क्षेत्र में उगने वाला लाखर नामक वृक्ष जिसकी गोंद ककरासिंगी या काकड़ासिंगी कहलाती है।

अरक्तक वि. (तत्.) जिसके शरीर में रक्त की कमी हो, कमजोर।

अरक्तता स्त्री. (तत्.) रक्ताल्पता, रक्त में लाल कोशिकाओं की कमी हो जाना anaemia

अरक्षित वि. (तत्.) 1. जिसकी रक्षा न की गई हो, रक्षाहीन 2. जिसका कोई रक्षक न हो।

अरगजा पुं. (देश.) लेप, केसर, चंदन, कपूर आदि का मिश्रित सुगंधित द्रव्य या लेप।

अरगजी वि. (तत्.) 1. अरगजा जैसे रंग वाला 2. अरगजा जैसी सुगंधि वाला।

अरगनी स्त्री. (देश.) कपड़े लटकाने के लिए बाँधी गयी आड़ी रस्सी या बाँस, अलगनी।

अरगल पुं. (तत्.) किवाड़ को अंदर से बंद करने के लिए लोहे की सांकल आदि।

अरगवान पुं. (फा.) गहरे लाल रंग का फूल और उसका वृक्ष।

अरगवानी पुं. (फा.) रक्तिम वर्ण, लाल रंग। **वि.** गहरे लाल रंग का, लाल।

अरगाना अ.क्रि. (देश.) दे. अलगाना।

अरघ पुं. (देश.) अर्घ्य, जल-अर्पण, देवता के समक्ष पुष्प-पत्र के साथ जल-अर्पण।

अरघट्ट पुं. (तत्.) सिंचाई या अन्य प्रयोजन के लिए कुएँ से पानी निकालने हेतु यंत्र पर्या. रहट।

अरघा पुं. (तद्.) 1. पत्थर का बना आधार-पात्र जिसमें शिवलिंग की स्थापना की जाती है 2. दे. अर्घा।

अरचित वि. (तद्.) सम्मानित, अर्चित पुं. भगवान् विष्णु।

अरज स्त्री. (अर.) निवेदन, प्रार्थना, विनय, अर्ज।

अरजम पुं. (अर.) कुंबी नामक एक वृक्ष।

अरजल पुं. (अर.) 1. वह घोड़ा जिसका अगला, दाहिना और पीछे के दोनों पैर सफेद या एक रंग के हो 2. वर्णसंकर।

अरजस्क वि. (तत्.) 1. जिसमें धूल या गंदगी न हो, स्वच्छ 2. वासना हीन।

अरजस्वला वि. (तत्.) जिसे मासिक धर्म न हुआ हो, जो रजस्वला न हो।

अरजा पुं. (तत्.) 1. घीकुँआर, घृतकुमारी 2. भार्गव ऋषि की पत्नी 3. अरजस्वला कन्या।

अरजी स्त्री. (अर.) दे. अर्जी।

अरज्जु वि. (तत्.) बिना रस्सीवाला पुं. (तत्.) कारागृह, जेल।